वर्द्धमान समाचार

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति (रजि.) ब्यावर (राज.) — पदमं नाणं तओ दया — अहिंसा

तमसो मा ज्योतिर्गमय

शिक्षा • संस्कार • सेवा • समर्पण •

नवरात्री विशेष | बुधवार, 12 अक्टूबर 2026 | वर्ष: 01 | अंक: 11 | पृष्ठ: 1

शिक्षण के प्रसार हेतु प्रकाशित | www.vardhmanbeawar.com

नन्हीं बेटियों में नवदुर्गा का दर्शन

वर्द्धमान ने दिखाई शक्ति और संस्कार की दुनिया

नौ छात्राओं की तस्वीरों को डिजिटल कला से दिया देवी स्वरूप,आस्था के साथ सम्मान और संस्कारों का संदेश



वर्द्धमान रूट्स स्कूल की अनूठी पहल, नौ बेटियां बनीं नवदुर्गा के नौ स्वरूप, तस्वीरों में साकार हुई नारी शक्ति

ब्यावर।नवरात्रि में देवी के नौ स्वरूपों की आराधना तो हर ओर होती है, लेकिन ब्यावर में श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान रूट्स स्कूल ने इस आस्था को बेटियों के सम्मान से जोड़ने का एक अनूठा प्रयास किया है। विद्यालय की नौ नन्हीं छात्राओं की वास्तविक तस्वीरों को रचनात्मक डिजिटल संपादन के माध्यम से नवदुर्गा के नौ स्वरूपों में ढालकर एक ऐसी प्रस्तुति तैयार की गई है, जिसमें देवी की आराधना के साथ बेटियों की प्रतिभा, सामर्थ्य और सम्मान का संदेश भी समाहित है।

चेहरे अपनी बेटियों के, स्वरूप मां दुर्गा के।

इस अनूठी कल्पना में विद्यालय की नौ छात्राओं को मां शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक के स्वरूपों में दर्शाया गया है। प्रत्येक तस्वीर केवल धार्मिक स्वरूप का चित्रण नहीं, बल्कि नारी जीवन के किसी विशेष गुण और शक्ति का प्रतीक बनकर सामने आई है। कहीं साहस की झलक है, कहीं ममता का भाव, कहीं ज्ञान का प्रकाश तो कहीं आत्मविश्वास और संकल्प की पहचान।

नौ स्वरूपों में छिपा बेटियों के भविष्य का संदेश

विद्यालय की इस रचनात्मक पहल में शैलपुत्री के माध्यम से आत्मविश्वास, ब्रह्मचारिणी से संकल्प, चंद्रघंटा से साहस, कूष्मांडा से सृजनशीलता, स्कंदमाता से ममता, कात्यायनी से न्याय के लिए संघर्ष, कालरात्रि से निर्भीकता, महागौरी से शुचिता और सिद्धिदात्री से सफलता का संदेश दिया गया है।

इस प्रस्तुति का भाव यही है कि जिन शक्तियों की आराधना समाज देवी के नौ स्वरूपों में करता है, उन्हीं गुणों के बीज हर बेटी में भी मौजूद हैं। आवश्यकता है उन्हें शिक्षा, संस्कार, सुरक्षा और अवसर देकर विकसित करने की।

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित विद्यालय की इस डिजिटल प्रस्तुति में परंपरा और आधुनिक तकनीक का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। नवरात्रि के धार्मिक महत्व को बालिका शिक्षा और नारी सशक्तीकरण से जोड़ती यह पहल संदेश देती है कि बेटियां केवल पूजनीय नहीं, अवसर मिलने पर स्वयं अपनी पहचान गढ़ने वाली शक्ति भी हैं।



















वर्द्धमान इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एंड मेकअप आर्टिस्ट की छात्राओं ने मेकअप कला से जीवंत किए मां दुर्गा के नौ स्वरूप

हुनर से किया श्रृंगार, नवदुर्गा के रूप हुए साकार



ब्यावर। चेहरे पर देवी का तेज, श्रृंगार में आस्था का रंग और हाथों में हुनर की चमक। नवरात्रि के अवसर पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित वर्द्धमान इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एंड मेकअप आर्टिस्ट की छात्राओं ने अपनी कला से भक्ति और सौंदर्य का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। छात्राओं ने मेकअप, वेशभूषा, आभूषण और भाव-भंगिमाओं के संयोजन से स्वयं को नवदुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों में तैयार कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया।

मेकअप की कला में दिखी मां की महिमा

किसी ने मां शैलपुत्री का सौम्य स्वरूप धरा तो किसी ने कालरात्रि का रौद्र रूप साकार किया। कहीं महागौरी की शांति झलकी तो कहीं कात्यायनी की शक्ति। प्रत्येक छात्रा ने अपने चयनित देवी स्वरूप के अनुरूप मेकअप, परिधान और श्रृंगार की बारीकियों पर ध्यान देकर पौराणिक स्वरूपों को जीवंत करने का प्रयास किया।









